

तारीख दुयम	दुयम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
29/10/2020	पत्रावली पेश हुई। आज पीठारीन अधिकारी दिनर कार्यों में व्यस्त/अवकाश पर होने से पत्रावली इंतुवा होकर दिनांक 5/11/2020 को पेश हो। K
5/11/2020	पत्रावली पेश हुई। आज पीठारीन अधिकारी कार्यों में व्यस्त/अवकाश पर होने से पत्रावली इंतुवा होकर दिनांक 23/12/2020 को पेश हो। K
25/12/2020	पत्रावली पेश हुई। आज पीठारीन अधिकारी कार्यों में व्यस्त/अवकाश पर होने से पत्रावली इंतुवा होकर दिनांक 2/2/2021 को पेश हो। K
2/2/2021	पत्रावली पेश हुई। आज पीठारीन अधिकारी दिनर कार्यों में व्यस्त/अवकाश पर होने से पत्रावली इंतुवा होकर दिनांक 18/2/2021 को पेश हो। K
18/02/2021	पत्रावली पेश हुई। आज पीठारीन अधिकारी कार्यों में व्यस्त/अवकाश पर होने से पत्रावली इंतुवा होकर दिनांक 25/02/2021 को पेश हो। K
25/2/2021	पत्रावली पेश हुई। आज पीठारीन अधिकारी दिनर कार्यों में व्यस्त/अवकाश पर होने से पत्रावली इंतुवा होकर दिनांक 9/3/2021 को पेश हो। K
9/3/2021	पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित। वह सीलकार बावड़ी से जवन प्रार्थना पत्र / मौका जॉय रिपोर्ट साफ हुई जो शामिल मिसल हो। प्रार्थी कठिबस्ता में बहस हेतु बिगुन किया। प्रार्थी कठिबस्ता की बहस सुनी गयी प्रार्थी कठिबस्ता में बिगुन किया कि धाड गलत आशानी मलम K

नांदिया जाजड़ा के खसरा लॉ  
403 में प्राथमिक मोहन कंवर का नाम  
लिपिबद्ध मुद्रित नशा मनी कंवर दर्ज  
कर दिया गया जबकि मनी कंवर w/o  
भंवर सिंह नाम की कोई औरत उक्त  
गांव में निवास नहीं करती थी अतः  
उक्त खसरे में मनी कंवर w/o भंवर सिंह  
के स्थान पर मोहन कंवर w/o भंवर  
सिंह का नाम शुद्धिकरण करवाने की  
छपा भरवाई।

प्राथमिक आदिवासी की बहस सुनी  
गई। बहस पर मनन किया गया तथा  
पत्रावली एवं मौका जॉन्य रिपोर्ट का  
अवलोकन एवं अध्यापन किया गया।  
बाद मनन अवलोकन एवं अध्यापन  
प्राथमिक का मामला प्रथम दृष्टया सुनिका  
को संतुलन व न्याय पाया जाया है। अतः  
प्राथमिक को स्वीकार किया जाता है एवं  
तहसीलदार बावड़ी को आदेशित किया  
जाता है कि वह वह आशपी महाम नांदिया  
जाजड़ा के खसरा संख्या 403 में मनी कंवर  
मनी कंवर w/o भंवर सिंह के स्थान पर  
शुद्ध कर मोहन कंवर w/o भंवर सिंह  
दर्ज करें। तहसीलदार बावड़ी द्वारा  
प्रस्तुत मौका जॉन्य रिपोर्ट इस आदेश का  
आग रहेगी। तहसीलदार बावड़ी को पालनाथ  
तहसीर जारी हो।

पत्रावली प्रसन्न शुमार होकर नम्बर  
से कम होकर दारिखल देकर हो।